यूपी बोर्ड कक्षा 10 संस्कृत: 10वीं संस्कृत प्रश्न पत्र (नमूना)

समय: 3 घंटे

पूर्णांक: 70

निर्देश:

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अंकित हैं।
- उत्तर लिखते समय प्रश्न संख्या का उल्लेख अवश्य करें।
- अपनी भाषा सरल और सुबोध रखें।
- वर्तनी और व्याकरण का ध्यान रखें।

खंड (क) व्याकरण (20 अंक)

(5 अंक) निम्नलिखित पाठ्यपुस्तक-आधारित रिक्त स्थानों को उपयुक्त रूपों से भरें:

- कर्म कारक में सर्वनाम का रूप लिखिए: _____ (मैं / मुझे)
- लट् विधायक सर्वनाम के रूप लिखिए: _____ (वह / उसे)
- "पुस्तकें" शब्द का _____ (द्विवचन / बहुवचन) रूप लिखिए।
- "लिखता है" क्रिया का _____ (लट् / लृट्) रूप लिखिए।
- "बड़ा" विशेषण का _____ (स्त्रीलिंग / पुल्लिंग) रूप लिखिए।

(5 अंक) पाठ्यपुस्तक से किसी एक श्लोक का संधि-विच्छेद कीजिए।

(5 अंक) पाठ्यपुस्तक से किसी एक श्लोक का पद-विभाग कीजिए।

(5 अंक) निम्नलिखित वाक्यों में से शब्दों के समास का नाम बताइए:

राजधानी = _____

कमललोचन = _____

गगनचुंबी = _____

jivansahayata.com

खंड (ख) साहित्य (20 अंक)

(10 अंक) पाठ्यपुस्तक से किसी एक निर्धारित पाठ का सारांश 100-150 शब्दों में लिखिए।

(10 अंक) पाठ्यपुस्तक से किसी एक निर्धारित पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खंड (ग) रचना (15 अंक)

(15 अंक) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर रचनात्मक विधा में रचना लिखिए:

पत्र: अपने मित्र को गांव की सैर के बारे में पत्र लिखिए।

कहानी: दयालु राजा की कहानी लिखिए।

कविता: प्रकृति की सुंदरता पर कविता लिखिए।

निबंध: समय का सदुपयोग पर निबंध लिखिए।

शब्द सीमा: 150-200 शब्द

खंड (घ) अनुवाद (15 अंक)

(5 अंक) निम्नलिखित संस्कृत श्लोक का हिंदी में अनुवाद कीजिए:

(शिक्षक/पाठ्यपुस्तक से श्लोक चुनें)

(5 अंक) निम्नलिखित हिंदी वाक्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए:

(सरल वाक्य का प्रयोग करें, जैसे: मेरा नाम रीना है।)

(5 अंक) निम्नलिखित अंग्रेज़ी वाक्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए:

(सरल वाक्य का प्रयोग करें, जैसे: मैं स्कूल जाता हूँ।)

खंड (ङ) अपठित गद्यांश (10 अंक)

(10 अंक) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

गद्यांश:

एक बार की बात है, एक छोटे से गाँव में एक गरीब लड़का रहता था। उसका नाम रवि था। रवि बहुत मेहनती और बुद्धिमान था। वह अपनी गरीबी से कभी हार नहीं मानता था। वह हमेशा सपने देखता था कि वह एक दिन बड़ा आदमी बनेगा।

jivansahayata.com

रवि के पास कोई पैसे नहीं थे, लेकिन वह शिक्षा प्राप्त करने के लिए दृढ़ था। वह हर दिन सुबह जल्दी उठता था और स्कूल जाता था। वह स्कूल में बहुत ध्यान से पढ़ता था और हमेशा अच्छे अंक प्राप्त करता था।

एक दिन, रवि के शिक्षक ने उसे एक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया। रवि ने छात्रवृत्ति के लिए आवेदन किया और उसे मिल गई। छात्रवृत्ति के पैसे से, रवि शहर में एक अच्छे कॉलेज में पढ़ने गया।

कॉलेज में, रवि ने बहुत मेहनत की और अपनी पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उसने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद एक अच्छी नौकरी प्राप्त की। रवि ने अपनी मेहनत और लगन से सपने को सच कर दिखाया।

प्रश्न:

1. रवि का चरित्र-चित्रण कीजिए।

2. रवि के जीवन में शिक्षा की क्या भूमिका थी?

3. रवि की कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

4. रवि के जीवन में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

5. रवि ने अपनी चुनौतियों का सामना कैसे किया?

नोट:

यह केवल एक नमूना प्रश्नपत्र है। वास्तविक प्रश्न पत्र में कुछ बदलाव हो सकते हैं।
इस प्रश्न पत्र को हल करने के बाद, आप अपने उत्तरों की तुलना उत्तर कुंजी से कर सकते हैं।
यदि आपको कोई प्रश्न या समस्या है, तो आप अपने शिक्षक से संपर्क कर सकते हैं।

jivansahayata.com